आज का सुविचार
गुण किसी तुच्छ व्यक्ति से भी सीखे जा सकते है।

साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom Of Speech

RNI. NO. MPHIN/2015/76299

संपादक-नागेश नरवरिया

YP24 NEWS
जिले एवं तहसीलों में संवाददाता नियुक्त करना है..
संपर्क करे -9425156055

वर्ष 9, अंक- 84 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 12 सितम्बर 2025 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 2 रुपये

गम्भीर बीमारी की बात सुनकर मरीज की मृत्यु हो जाए तो क्या बीमारी बताने वाला व्यक्ति दोषी होगा जानिए

डर, भय, सदमा ये तीनों एक दूसरे के समान रूप होते हैं। अगर किसी व्यक्ति के दिमाग में इनका प्रवेश हो जाए तो व्यक्ति समय से पहले या तो पागल हो जाए या मर भी सकता है। अगर किसी व्यक्ति से बोल दे कि दो दिन बाद तेरी मृत्यु निश्चित है तब व्यक्ति सुनकर अटैक से दो दिन पहले भी मर सकता है। फांसी की सजा होने वाले कैदियों को पहले ही बता दिया जाता है कि उक्त दिनांक को आपको फांसी दी जाएगी क्या बताने या सूचना देने वाला जज या जेल अधीक्षक अपराधी को यह जानकारी देकर उसे मानसिक पीड़ा देता है या डॉक्टर अपने मरीज को बीमारी की जानकारी देकर उसे ओर मानसिक बीमार करता है एवं इनका यह कार्य अपराध होगा जानिए।

युवा प्रदेश समाचार पत्र
- लेखक बीआर अहिरवार(एडवोकेट एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद) 9827737665

Bharatiya Nyaya Sanhita,2023 की धारा 31 की परिभाषा: किसी व्यक्ति को सावधानीपूर्वक दी गई ऐसी सूचना जो भविष्य में उसे गंभीर बीमारी से मृत्यु तक ले जा सकती है एवं यह सूचना मिलते ही व्यक्ति को किसी भी प्रकार की अपहानि होती है तब सूचना देने वाला व्यक्ति धारा 93 के अनुसार अपहानि का जिम्मेदार नहीं होगा। अर्थात किसी लड़की को एड्स जैसी गंभीर बीमारी है और उसके होने वाले पति को डॉक्टर यह सूचना देता है कि उस लड़की की एड्स जैसी गंभीर बीमारी हैं इसके कारण लडकी की शादी टूट जाए तब डॉक्टर द्वारा दी गई सूचना अपराध नहीं होगी न ही लड़की डॉक्टर को इसका जिम्मेदार मानेगी।

महत्वपूर्ण निर्णय-

श्रीमान ङ्क बनाम ङ्ख अस्पताल मामले मे सुप्रीम कोर्ट द्वारा यह अभिनिर्धारित किया गया कि अगर डाक्टर द्वारा किसी मरीज के रोग के बारे मे बता दिया जाता है और इससे मरीज़ को कोई क्षति होती है तो डाक्टर इसका दोषी नहीं होगा। हालांकि डॉक्टर से अपेक्षा की जाती है कि वह, मरीज को बीमारी के बारे में इस प्रकार से जानकारी दे कि, उसे मानसिक रूप से कोई आघात न पहुंचे बल्कि वह मानसिक रूप से ऐसी किसी जानकारी को प्राप्त करने के लिए तैयार हो जाए।

मध्यप्रदेश सरकार किसानों के साथ किसानों को किसी तरह का नुकसान नहीं होने देंगे : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने जिले में खराब हुई सोयाबीन की फसल का सर्वे कराने के दिये निर्देश

युवा प्रदेश ❑ भोपाल

प्रदेश सरकार किसानों के साथ है और हम किसानों को किसी तरह का नुकसान नहीं होने देंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरूवार को शाजापुर जिले की पोलायकलां तहसील के ग्राम खड़ी में विभिन्न कारणों से खराब हुई सोयाबीन की फसल के अवलोकन के बाद किसानों को यह भरोसा दिलाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शाजापुर कलेक्टर सहित प्रदेश के सभी कलेक्टर्स को खराब हुई सोयाबीन की फसल का सर्वे कराने के निर्देश दिये। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना, विधायक श्री घनश्याम चन्द्रवंशी, श्री अरूण भीमावद, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री

हेमराज सिंह सिसोदिया एवं डॉ. रवि पाण्डेय भी इस अवसर पर मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसान चौपाल में कहा कि बारिश कम होने एवं कीट प्रकोप के कारण जहां-जहां भी सोयाबीन की फसल को नुकसान हुआ है, उसका पूरा सर्वे कराया जायेगा, किसानों को नुकसान नहीं होने देंगे। किसानों को अधिकतम लाभ दिया जायेगा। किसानों की जिंदगी बेहतर हो, इसके लिए केन्द्र एवं राज्य की सरकार लगातार प्रयासरत हैं। उन्होंने कलेक्टर शाजापुर को निर्देश दिये कि जिन किसानों को पिछले वर्षों की बीमा राशि प्राप्त नहीं हुई है, उनके प्रकरणों का निराकरण कराएं।

नवागत आयुक्त जनसंपर्क श्री दीपक सक्सेना ने कार्यभार ग्रहण किया

भोपाल। नवागत आयुक्त जनसंपर्क श्री दीपक सक्सेना ने गुरूवार को जनसंपर्क संचालनालय में कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने जनसंपर्क के अधिकारियों से परिचय प्राप्त कर चर्चा की। आयुक्त श्री सक्सेना ने सभी अधिकारियों से संचालनालय की विभिन्न शाखाओं में सौंपे गए दायित्वों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने विभागीय अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण के साथ ओरिएंटेशन प्रोग्राम भी प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

संस्कारयुक्त शिक्षा ही विकास का मार्ग प्रशस्त करती है : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा में उत्कृष्ट मार्तण्ड उमावि क्रमांक-एक में गुरूवार को रीवा जिले के प्रतिभावान विद्यार्थियों को निःशुल्क स्कूटी का वितरण किया। समारोह में जिले के 177 विद्यार्थियों को लाभान्वित किया गया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि संस्कारयुक्त शिक्षा ही विकास का मार्ग प्रशस्त करती है। शिक्षा जीवन भर सद्गुणों का फल देने वाला वृक्ष है। विद्यार्थी जीवन के लिए सर्वोत्तम लक्ष्य निर्धारित कर शिक्षा के माध्यम से उसे प्राप्त करने का प्रयास करें। प्रयासों की असफलता दुगने उत्साह से प्रयास करने की प्रेरणा देती है। प्रदेश और देश में चहुंमुखी विकास हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विश्वगुरू बनने की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। विकास का पूरा लाभ युवा पीढ़ी को ही मिलेगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि विद्यार्थी अनुशासन और शिक्षा पर ध्यान केन्द्रित करें। किसी भी स्थिति में नशे की राह में कदम आगे न बढ़ाएं। नशा ऐसा जहर है जो तन, मन और धन तीनों का विनाश कर देता है।

Criminal law - यदि किसी अन्य व्यक्ति की रक्षा करते हुए कोई अपराध हो जाए, तो क्या होगा जानिए

Bharatiya Nyaya Sanhita,2023 में भारत के प्रत्येक citizen को आत्मरक्षा का rights प्राप्त है। पिछले लेख की BNS की धारा 34 में इसके बारे में बताया गया है। आज हम आपको बताएंगे कि यदि अन्य किसी व्यक्ति की protect करते हुए, कोई ऐसा काम हो जाए, जो Crime की Category में आता है, तब क्या होगा। आपको Punishment मिलेगी या माफ़ (Sorry) कीजिए कर दिया जाएगा। पढ़िए-

•**Bharatiya Nyaya Sanhita,2023 की धारा 35 की परिभाषा**- कोई भी व्यक्ति अपने Body की या अन्य व्यक्ति के Body की एवं अपनी चल-अचल सम्पति (movable property) एवं अन्य व्यक्ति की moveable property की Immunity स्वयं कर सकता है। अगर रक्षा करते समय कोई Crime हो जाता है तब भारतीय न्याय संहिता की धारा 35 के अंतर्गत Crime नहीं होगा।

उधारानुसार वाद?Dayaram vs State?:-

उपर्युक्त मामले में यह अभिनिर्धारित किया गया कि जहाँ कुछ अपराधी, किसी महिला को उसकी इच्छा के विरुद्ध बलपूर्वक उठा कर ले जा रहा हैं, तब उस महिला के हितचिंतको से यह अपेक्षा नहीं कि जा सकती थी कि वे पुलिस में शिकायत दर्ज करा कर पुलिस के आने की प्रतीक्षा में हाथ पर हाथ धरे बैठे रहे। अपितु वे प्राइवेट प्रतिरक्षा के अधिकार का प्रयोग करते हुए उस महिला को मुक्त करने के लिए अपहरण कर्ताओं पर हमला कर सकते हैं। इस प्रकार का अपराध भारतीय दंड संहिता की धारा 97 (अब BNS की धारा 35 होगी) के तहत क्षमा कर दिया जाएगा।

The Bharatiya Nyaya Sanhita, 2023 section 35 Punishment- भारतीय न्याय संहिता की धारा 35 के तहत किसी भी प्रकार का कोई दंड प्रावधान नहीं है। इसमें अपराध से क्षमा का प्रावधान है। यदि क्षमता नहीं किया जाता है तो उस धारा के तहत दंडित किया जाएगा, जो कि उसे अपराध के लिए निर्धारित की गई है।

- लेखक बी.आर. अहिरवार (पत्रकार एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद

अहिरवार समाज संघ ने की जिला स्तर बैठक की पहल युवाओं से हुई सामाजिक चर्चा

राजू राय - संभागीय संवादाता

शहडोल - अहिरवार समाज संघ, शहडोल संभाग इकाई के द्वारा - दिनांक- 07 सितंबर 2025 अहिरवार समाज संघ की बैठक में सामाजिक मुद्दों पर चर्चा, संगठन विस्तार पर जोर शहडोल- अहिरवार समाज संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक दिनांक 07 सितंबर 2025 को शहडोल संभाग के ग्राम पंचायत बनसुकली जयसिंहनगर तहसील में आयोजित की गई। इस बैठक में सामाजिक मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श किया गया तथा संगठन के विस्तार हेतु ठोस कदम उठाने का निर्णय लिया गया। बैठक में विशेष रूप से शहडोल संभाग में संगठन को और सशक्त बनाने पर बल दिया गया।बैठक में यह घोषणा की गई कि शीघ्र ही अनूपपुर जिला अध्यक्ष की नियुक्ति की जाएगी, जिससे संगठन की गतिविधियों को और गति मिलेगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री कैलाश कुमार अहिरवार (संभाग अध्यक्ष) ने समाज के उत्थान और एकजुटता पर जोर देते हुए संगठन के विस्तार की रणनीति पर प्रकाश डाला।बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष श्री रामकुमार ने की। इस अवसर पर जिला सचिव श्री मनीष अहिरवार, जयसिंहनगर तहसील अध्यक्ष श्री चंद्रिका अहिरवार, श्री गोपाल अहिरवार, शहडोल जिला उपाध्यक्ष श्री अरुण अहिरवार, श्री अमित अहिरवार, श्री पुष्पेंद्र अहिरवार सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।सभी ने एक स्वर में समाज के उत्थान, शिक्षा, और सामाजिक जागरूकता के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। संगठन ने भविष्य में और अधिक प्रभावी सामाजिक कार्यों को अंजाम देने का निर्णय लिया।

संपर्क-

राम कुमार अहिरवार

जिला अध्यक्ष (शहडोल)- अहिरवार समाज संघ

नोट- अधिक जानकारी के लिए कृपया संगठन के संभाग अध्यक्ष श्री कैलाश कुमार अहिरवार से संपर्क करें ।(9425709472)

होटल,धर्मशाला,रिसोर्ट में ठहरने वालों की पूरी जानकारी रखना अनिवार्य, किरायेदारों का भी रिकॉर्ड ज़रूरी

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

पुलिस आयुक्त, भोपाल हरिनारायणचारी मिश्र ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए नगरीय क्षेत्र भोपाल शहर में आदेश जारी किए है। जारी आदेश अनुसार कोई भी मकान मालिक जो अपना मकान या उसका कोई भाग किराये पर देते है तो वह ऐसा करने के एक सप्ताह के भीतर किरायेदार अथवा पेइंगगेस्ट का विवरण निर्धारित प्रारूप में भरकर संबंधित थाने पर या मध्यप्रदेश पुलिस सिटिज़न पोर्टल पर आवश्यक रूप से देंगे। पूर्व से रह रहे किरायेदार या नौकर का विवरण भी निर्धारित प्रारूप में भरकर यह आदेश जारी होने की दिनांक से 15 दिवस के भीतर में संबंधित थाने पर या मध्यप्रदेश पुलिस सिटिज़न पोर्टल पर आवश्यक रूप से देंगे। किसी भी व्यक्ति का घरेलू नौकर या उनका सहायक का विवरण निर्धारित प्रारूप में आवश्यक रूप से संबंधित थाने पर या मध्यप्रदेश पुलिस सिटिज़न पोर्टल पर देंगे। होटल,लॉज,धर्मशाला,रिसोर्ट के प्रबंधक,मालिक उनके यहाँ ठहरने वाले व्यक्तियों का व्यक्तिगत विवरण पूर्ण रूप से रजिस्ट्रर में दर्ज करेंगें व इसकी जानकारी निर्धारित प्रारूप में आवश्यक रूप से संबंधित थाने पर जो भी स्थानीय स्तर पर प्रक्रिया निर्धारित की जाये उस अनुसार देंगे।इसी प्रकार छात्रावास संचालक छात्रावास में रह रहे छात्र,छात्राओं का विवरण निर्धारित प्रारूप में आवश्यक रूप से संबंधित थाने पर देंगे। ठेकेदार,भवन निर्माणकर्ता निर्माण कार्य में लगे मजदूर कारीगरों का विवरण निर्धारित प्रारूप में आवश्यक रूप से संबंधित थाने पर देंगे। कोई भी ट्रेवल्स एजेंसी अपने वाहन को किसी को भी किराये पर देने के पूर्व उसकी पहचान की तस्दीक कर लेवें इस पहचान पत्र की छायाप्रति अपने पास संधारित करेंगें एवं आवश्यक पहचान स्थापित होने के बाद ही वाहन दिया जाए। स्पा सेंटर, मसाज सेंटर, ब्यूटी पार्लर पर कार्य करने वाले व्यक्तियों की जानकारी विहित प्रारूप में थाने पर दी जाये साथ ही उनका आई0डी0 प्रूफ भी आवश्यक रूप से लिया जाये। प्राईवेट सुरक्षा एजेंसी के लिए नियुक्त किए गए गार्ड अथवा अपने स्तर पर नियुक्त किए गये गार्ड की जानकारी विहित प्रारूप में थाने पर दी जाये साथ ही उनका आई0डी0 प्रूफ भी आवश्यक रूप से लिया जाये। ऑनलाईन शॉपिंग के उद्देश्य के लिये या अन्य किसी प्रयोजन के लिये होम डिलीवरी या कुरियर में काम करने वाले या किसी होटल आदि में ऑनलाईन ऑर्डर घर-घर जाकर सप्लाई करने वाली प्रतिष्ठानों के लिए कार्य करने वाले ऐसे व्यक्तियों की सूचना जो डिलवरी करने जाते है संलग्न विहिप प्रारूप में दिए जाकर उनके पहचान से संबंधित दस्तावेज संलग्न दिए जाए।यह आदेश जारी दिनांक से आगामी दो माह तक प्रभावशील रहेगा।

हाट बाजार में सिकल सेल व टीबी की स्क्रीनिंग करायें आयुष विभाग की समीक्षा बैठक में राज्यपाल के निर्देश

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि हाट बाजारों में सिकल सेल और टीबी की स्क्रीनिंग शिविर लगाए जाने चाहिए जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की छितरी आबादी तक पहुंच हो सके। उन्होंने कहा कि सिकल सेल जाँच के 100 दिवसीय अभियान की उपलब्धियां प्रभावी है और अभियान को 125 दिन तक बढ़ाया जाना चाहिए।राज्यपाल राजभवन के जवाहर खण्ड में बुधवार को लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, आयुष और जनजातीय कार्य विभाग की समीक्षा कर रहे थे। इस अवसर पर जनजातीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष भी मौजूद थे।राज्यपाल ने स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को आगनबाड़ियों के साथ संपर्क पर विशेष बल दिया है। उन्होंने कहा कि परिवार कल्याण कार्यक्रम के प्रभावी संचालन में आगनबाड़ी के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बेहतर हो सकती है। उन्होंने कहा कि जिलों के प्रवास के दौरान वह पीएम जनमन, धरती आबा अभियान, सिकल सेल और टी.बी. रोग की समीक्षा अनिर्वायत- करेंगे। उन्होंने अपेक्षा की है कि जिलों में राज्यपाल के प्रवास के दौरान कार्यक्रम स्थल पर टी.बी., सिकल सेल रोग की स्क्रीनिंग शिविरों का आयोजन किया जाए। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए जन प्रतिनिधियों का सहयोग प्राप्त करने की भी जरूरत बताई है। उन्होंने कहा है कि स्वास्थ्य सेवाओं के लिए सांसद और विधायक निधि से वित्तीय सहयोग प्राप्त करने के प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि वे सहयोग की जनप्रतिनिधियों से भी अपील करेंगे। राज्यपाल ने कहा कि स्वास्थ्य कार्यक्रमों की सफलता में स्वास्थ्य सेवाओं की अंतिम कड़ी तक पहुंच बहुत महत्वपूर्ण है। समुदाय के बीच पहुंच कर स्वास्थ्य शिक्षा के प्रयास बहुत प्रभावी होते हैं। उन्होंने एकलव्य विद्यालयों में सिकल सेल जांच शिविरों के आयोजन की पहल की सराहना की। जनजातीय छात्रावास के प्राचार्य और शिक्षकों को सिकल सेल रोग के संबंध में सेंसेटाईज करने के प्रयास करने के लिए कहा है। राज्यपाल ने आयुर्वेदिक औषधियों की वितरण व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाए जाने की जरूरत बताई। उन्होंने सिकल सेल रोगियों को आयुर्वेदिक औषधियां उपलब्ध करवाने को कहा। बताया गया कि विभाग द्वारा चयनित पायलट जिले धार में 1546 और बड़वानी में 1015 रोगियों को सिकल सेल की आयुर्वेदिक औषधियाँ दी जा रही है। प्रदेश में 17 सितम्बर से स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान चलाया जाएगा। सिकल सेल के लिए संचालित 100 दिवसीय अभियान के दौरान सिकल सेल रोगियों को जेनेटिक कार्ड वितरण कार्य बहुत तेज गति से हुआ है। अभियान अवधि में 12 लाख से अधिक कार्ड वितरित हुए है। विभाग द्वारा 1 करोड़ वां कार्ड प्रधानमंत्री द्वारा वितरित करावाने की योजना है। प्रदेश में टी.बी. और सिकल सेल रोग प्रबंधन प्रयासों के परिणामों के बेहतर संकेत मिल रहे हैं। टी.बी. रोगियों के ड्रॉप आउट और मृत्यु दर में कमी दिख रही है। सिकल सेल प्रबंधन से मातृ मृत्यु दर में भी कमी होने की जानकारी मिली है।

नाटक आखिरी पत्ता- भोपाल में रंगमंच पर एक नया प्रयोग

उपशीर्षक- ओ हेनरी की भावनात्मक कहानी का मंचन 27 सितंबर 2025 को

गीतेश सिंह नरवरिया भोपाल।

आरंभ कल्चरल वेलफेयर भोपाल की संस्था द्वारा एक नए नाटक की रिहर्सल चल रही है इसमें सभी नए पुराने कलाकार अभिनय कर रहे हैं हम हमेशा कुछ नया कुछ नया प्रयोग करते रहते हैं जिससे रंगमंच में कुछ नया करने सीखने और मंच पर अभिनय में कुछ नए प्रयोग करते रहते हैं हम एक नए नाटक का मंचन करने जा रहे हैं। जिसका नाम है आखिरी पत्ता महान लेखक ओ हेनरी वह हिंदी द्वारा लिखित यह नाटक का निर्देशन श्री विष्णु गर्ग कर रहे हैं यह नाटक का मंचन 27 सितंबर 2025 को होगा इस नाटक में जो कलाकार अभिनय कर रहे हैं ।

जॉन सी यशस्वी गर्ग / वैशाली लखेरा सु यमनी चक्रपाणि प्रोफेसर लेक्चर ऑफ ड्राइंग वर्षा मिश्रा पेंटर विष्णु गर्ग और भी कई कैरेक्टर में इकबाल हिंदुस्तानी सीमा जैन युसूफ भाई रवि दुर्गा शंकर लखेरा डॉक्टर के किरदार में सुधीर जादव जी बॉस का किरदार फरहान बेग । इसका सेट डिजाइन

किया है चांद भाई ने म्यूजिक किया है कंपोज अनिरुद्ध गर्ग। नाटक की कहानी बहुत ही अच्छी है जो इस प्रकार है की दो लड़कियां शहर में पेंटिंग सीखने आती हैं और वह एक ही रूम में रहती है शहर में बीमारी फैल जाने के कारण एक लड़की की तबीयत खराब हो जाती है दूसरी लड़की उसकी केयर करती है डॉक्टर को देखने आता है जिस रूम में पलंग बिछा हुआ है उसके सामने एक खिड़की पर एक कुछ पत्तों की टूटी-फूटी बेल लगी हुई है वह लड़की की आंखें उसे बेल पर टिक जाती है उसका उसे बिल से कुछ ऐसा भावनात्मक अटैचमेंट हो जाता है कि वह अपनी फ्रेंड को बोलती है कि देखना इसका आखिरी पत्ता गिर जाएगा तो मैं मर जाऊंगी वह कहती है चुप यह बेल के पत्ते तो हर मौसम में झरते रहते हैं और तभी तो नहीं पत्ते आते हैं यह सब फालतू आते हैं उनका नहीं देखना इसका आखिरी पत्ता गिर जाएगा तो मर जाऊंगी इस प्रकार से इस कहानी में भावनात्मक क्रम चलता रहता है डॉक्टर दवाई देता है देखा जाता है वह कहता है कि इनका जब तक खुद ही ठीक करने होने का मन नहीं होगा यह ठीक नहीं होगी क्योंकि मेरी जब तक अपना विल पावर मजबूत नहीं करेगा दवाइयां भी मरीज को ठीक नहीं कर सकती इस बिल्डिंग में एक पेंटर रहता है वह आता जाता रहता है और उन बच्चों की देखरेख करता है जब उसे पता चलता है कि उसे बिल में एक पत्ता बचा है और उसे बेल के पत्ते से उसे लड़की का बहुत ज्यादा ही खास लगा है तो एक दिन बहुत ही आंधी तूफान में वह बेल का पत्ता गिर जाता है पेंटर भारी बारिश में रात में ही हो पत्ता पेंट करके मर जाता है। जब सुबह लड़की खिड़की खोलती हैं तो पत्ता देखना पता लगा हुआ होता है तब वह कहती है वह पेंटर ने बनाया वह क का मास्टरपीस बनाकर गए जिससे तुम अपनी जिंदगी में खुश रहो।

खजुराहो-नई दिल्ली रेल सेवा प्रारंभ करने की मांग, परिषद ने रेल मंत्री को भेजा पत्र

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति जनजाति विकास परिषद, नई दिल्ली ने केंद्रीय रेल मंत्री माननीय अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर खजुराहो-नई दिल्ली के बीच सीधी मेल/एक्सप्रेस रेल सेवा प्रारंभ करने की मांग की है। परिषद के प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी इंजी. राहुल अहिरवार ने कहा कि बुंदेलखंड क्षेत्र (छतरपुर, खजुराहो, टीकमगढ़, ललितपुर) से बड़ी संख्या में श्रमिक आजीविका हेतु दिल्ली व अन्य महानगरों की ओर पलायन करते हैं। वर्तमान में इस क्षेत्र से केवल एक ट्रेन (खजुराहो-कुरुक्षेत्र) उपलब्ध है, जिसमें अत्यधिक भीड़ रहती है।

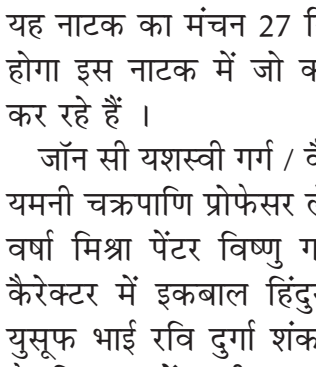

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति जनजाति विकास परिषद,नई-दिल्ली
Relcted to se-st Commission Govt of india
Correspondence Add:-Raidaspura post bijawar distt chhatarpur MP 471405
E- mailid:-ra836135@gmail.com Website:-www.Rashtriyaparisadindia. com

प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी म.प्र. इंजी.राहुल अहिरवार मो.-7697989515 | प्रदेश अध्यक्ष एच. आर. परमाल | राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण मांगरिया | संरक्षक श्री जुएल जी उरांव केंद्रीय मंत्री जनजाति मंत्रालय भारत सरकार | संरक्षक श्री मुकुल जी वासनिक पूर्व केंद्रीय मंत्री सामाजिक न्याय एवं अधि.मंत्रालय

राष्ट्रीय संयोजक श्री मा.फग्गन सिंह कुलस्ते पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग | राष्ट्रीय संगठन प्रभारी पी.सी.बैरवास(Rtd.IAS)

पत्र क्र. Q-1 दिनॉक:-08/09/2025

सेवा में,
माननीय श्री अश्विनी वैष्णव जी,
केंद्रीय रेल मंत्री,
भारत सरकार, नई दिल्ली।

विषयः खजुराहो-नई दिल्ली के लिये मेल एक्सप्रेस रेल सेवा प्रारंभ किए जाने हेतु निवेदन।
महोदय,

उपरोक्त विषय मे संगठन माननीय जी का ध्यान महत्वपूर्ण और आवश्यक मुद्दे की और आकर्षित करना चाहता है,कि बुंदेलखंड क्षेत्र (छतरपुर एवं खजुराहो, टीकमगढ़,ललितपुर) से बड़ी संख्या में श्रमिक वर्ग आजीविका हेतु दिल्ली व अन्य महानगरों की ओर पलायन करते है। इस क्षेत्र से सीधी रेल सेवा का अभाव यात्रियों के लिए कठिनाई का विषय है।क्योकि इस क्षेत्र मे केबिल एक ट्रेन खजुराहो से कुरुक्षेत्र जाती है, जिसमे अत्यधिक भीड़ होती है,साथ ही, यह क्षेत्र धार्मिक और पर्यटन दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है।
खजुराहो : विश्व धरोहर स्थल, जहाँ प्रतिवर्ष लाखों देशी-विदेशी पर्यटक आते हैं।
बागेश्वर धाम, दुरियागंज (छतरपुर) : आस्था का प्रमुख केंद्र, जहाँ प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु पहुँचते हैं।
यदि खजुराहो-नई दिल्ली सीधी रेल सेवा प्रारंभ की जाती है, तो इससे प्रवासी श्रमिकों, पर्यटकों और श्रद्धालुओं सभी को सुविधा मिलेगी तथा क्षेत्रीय विकास को भी गति प्राप्त होगी।
अतः आपसे निवेदन है,कि इस दिशा में शीघ्र सकारात्मक निर्णय लिया जाए, कृत कार्यवाही से संगठन की ईमेल आई डी ra836135@gmail.com पर अवगत कराने का कष्ट करे,

भवदीय,
इंजी. राहुल अहिरवार
प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी म.प्र.
राष्ट्रीय अनुसूचित जाति जनजाति
विकास परिषद नई दिल्ली

परिषद ने अपने पत्र में उल्लेख किया कि—

खजुराहो विश्व धरोहर स्थल है, जहाँ प्रतिवर्ष लाखों देशी-विदेशी पर्यटक आते हैं। बागेश्वर धाम, दुरियागंज (छतरपुर) आस्था का प्रमुख केंद्र है, जहाँ प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु पहुँचते हैं। परिषद का कहना है कि खजुराहो-नई दिल्ली रेल सेवा प्रारंभ होने से प्रवासी श्रमिकों, पर्यटकों और श्रद्धालुओं सभी को सुविधा मिलेगी तथा क्षेत्रीय विकास को गति प्राप्त होगी।

कैंसर के खिलाफ लड़ाई में सफलता रूस ने पहला कैंसर टीका पेश किया जल्द ही उपलब्ध होगी वैक्सीन

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन
भोपाल मध्य प्रदेश

रूस ने हाल ही में कैंसर की एक नई वैक्सीन विकसित की है, जिसे एंटेरोमिक्स नाम दिया गया है। यह वैक्सीन विशेष तकनीक पर आधारित है और कोलोरेक्टल, ग्लियोब्लास्टोमा और मेलेनोमा जैसे खतरनाक कैंसर पर असरदार पाई गई है।यह वैक्सीन हर मरीज के ऋ्र के अनुसार कस्टमाइज की जाती है, जिससे यह ट्यूमर को पहचानकर उसे नष्ट कर सकती है। यह वैक्सीन ट्यूमर के आकार को 60 से 80 प्रतिशत तक कम करने में सक्षम है। एंटेरोमिक्स वैक्सीन ने क्लिनिकल ट्रायल में 100 प्रतिशत सफलता दर दिखाई है। ट्रायल के दौरान, वैक्सीन ने ट्यूमर को बढ़ने से रोकने और उसके आकार को कम करने में मदद की है रूस की फेडरल मेडिकल एंड बायोलॉजिकल एजेंसी ने वैक्सीन को मंजूरी देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। उम्मीद है कि यह वैक्सीन 2026 के अंत या 2027 की शुरुआत तक बाजार में उपलब्ध होगी।वैक्सीन की कीमत लगभग 2.5 लाख रुपये हो सकती है,

लेकिन रूसी सरकार ने अपने नागरिकों के लिए इसे मुफ्त देने की योजना बनाई है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने पुष्टि की है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के तहत मरीजों को यह टीका नि:शुल्क दिया जाएगा। यह विकास कैंसर के उपचार में एक बड़ा कदम है, जो सर्जरी, कीमोथेरेपी और विकिरण से परे एक नया दृष्टिकोण प्रदान करता है।यह टीका प्रतिरक्षा प्रणाली को कैंसर कोशिकाओं को लक्षित करने और नष्ट करने के लिए प्रेरित करने हेतु डिज़ाइन किया गया है। रूसी शोधकर्ताओं का कहना है कि इसका नैदानिक उपयोग चुनिंदा अस्पतालों में शुरू होगा, और व्यापक स्तर पर इसकी प्रभावशीलता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए डेटा एकत्र किया जाएगा। यदि परिणाम सकारात्मक रहे, तो इस कार्यक्रम का देशव्यापी और बाद में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार किया जा सकता है।

सर्वदली बैनर तले नगर वासियों ने थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन

चोरी, कबाड़ सहित क्षेत्र में बढ़ रहे अन्य अपराधों से क्षेत्रवासियों रोष

अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

राजनगर। रामनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत नगर परिषद राजनगरमें क्षेत्र में बढ़ते हुए चोरी को देखते हुए नगर के व्यापारियों एवं नगर वासियों ने भगत सिंह चौक पर एकत्रित होकर रामनगर थाने को क्षेत्र में हो रहे लगातार चोरियों का कोई खुलासा नहीं हो पाया है और क्षेत्र में चोरियों को ग्राफ दिन पर दिन बढ़ता हुआ दिख दे रहा है जिसमें पुलिस प्रशासन की निष्कृता साफ-साफ दिखाई दे रही है।

अभी तक लगभग दर्जनों चोरियों का पुलिस प्रशासन के द्वारा कोई खुलासा नहीं कर पाया गया है जिसको देखते हुए नगर के व्यापारी एवं नगर वासियों के द्वारा भगत सिंह चौक से पैदल चलकर पूरे रास्ते भर कबाड़ सट्टा नहीं चलेगा दारू पाइकारी नहीं चलेगा नगर में चोरियां नहीं चलेगी पुलिस प्रशासन होश में आओ होश में आओ के नारे लगाते हुए रामनगर थाने पहुंचे जहां पास सभी लोगों ने थाना के अंदर भी नारे लगाए और कहा कि पुलिस प्रशासन होश में आओ उसके बाद रामनगर थाना के उपनिरीक्षक अधिकारी को थाना प्रभारी सुमित कौशिक के नाम से ज्ञापन दिया गया जिस ज्ञापन में सात सूत्री मांगों को लेकर ज्ञापन दिया गया जिसमें सर्वप्रथम 6 महीनों में हुई चोरियों का पुलिस प्रशासन लिखित जानकारी प्रदान करें और अवैध गांजा और थिनर व्यापारियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाए क्षेत्र में कबाड़ पर तत्काल प्रभाव से रोका जाए नगर में बढ़ती चोरियों के प्रवाही जांच कर दोषियों के ऊपर कार्रवाई करें नगर में जो भी नाबालिक वाहन लेकर घूमते पाए जाते हैं तो उनके ऊपर कारवाईकरें एवं नगर में एवं नगर में रात्रि 10:00 बजे के बाद जो भी नाबालिक तथा सामाजिक तत्वों नगर के विभिन्न स्थलों पर शराब एवं नशीले पदार्थों का सेवन करते पाए जाने पर सख्त कार्रवाई करें एवं नगर की सुरक्षा एवं व्यापारिक गतिविधियों की रक्षा के लिए गस्त निगरानी सीसीटीवी कैमरा निरीक्षण जहां लागू हो व अन्य सुरक्षा उपाय त्वरित रूप से बढ़ाई जाए इस सभी मांगों को लेकर थाने में ज्ञापन सोपा गया जिसमें जिसमें स्पष्ट कहा गया है कि हमारी स्पष्ट मांग है कि उपयुक्त बिंदुओं पर तीन दोनों के भीतर ठोस एवं लिखित करवाई की जानकारी हमेंप्रदान की जाए यदि तीन दिनों के अंदर ना तो संतोषजनक कार्रवाई की जाएगी और ना ही लिखित जवाब दिया जाएगा तो राजनगर के समस्त व्यापारी वर्ग बाध्य होकर तीसरे दिन पूर्ण नगर बंद करने का निर्णय करने पर मजबूर होंगे जिसकी पूरी जिम्मेदारी स्थानीय प्रशासन पर होगी इस आंदोलन में कांग्रेस इंटक के महामंत्री जेपी श्रीवास्तव भारतीय जनता पार्टी के पिछड़ा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष हरिशंकर दुबे पल्लू वार्ड क्रम के 11 के पार्षद विकास प्रताप सिंह वार्ड क्रमांक 8 के पार्षद गिरजा विश्वकर्मा व्हाट क्रमांक दो के पार्षद पति राजकुमार रामाश्रय यादव मनोहर जायसवाल राहुल जायसवाल कृष्ण मुरारी अजीत सिंह देवाशीष दादा एवं नगर के व्यापारी एवं सभी राजनीतिक दल सभी नगर के पत्रकार एवं सैकड़ो की संख्या जनसमूह मौजूद रहा।

चूहे काटने की घटना में दोषियों पर सख्त कार्रवाई

उप मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य संस्थानों में प्रभावी उपायों के दिए निर्देश

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने मंत्रालय, भोपाल में इंदौर में घटित चूहे काटने की घटना पर की गई कार्रवाई की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि पूरी कार्यवाही निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं तथ्यों के आधार पर की जाए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रकार की घटनाएँ स्वास्थ्य सेवाओं की छवि को धूमिल करती हैं, दोषी व्यक्तियों की पहचान कर कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिये कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी रोकथाम उपाय तुरंत लागू किए जाएँ। अस्पताल अधीक्षक डॉ. अशोक यादव, प्रो. एवं विभागाध्यक्ष डॉ. बृजेश लाहोटी, प्रो. डॉ. मनोज जोशी एवं सहायक प्रभारी नर्सिंग अधिकारी श्रीमती कलावती भलावी को उक्त घटना के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। सहायक अधीक्षक एवं भवन प्रभारी डॉ. मुकेश जायसवाल, प्रभारी नर्सिंग अधिकारी प्रवीणा सिंह, नर्सिंग अधिकारी सुश्री आकांक्षा बेंजामिन एवं श्वेता चौहान को निलंबित किया गया है। नर्सिंग अधीक्षक मार्गरेट जोसफ को पद से हटाया गया है तथा नर्सिंग अधिकारी प्रेमलता राठौर का स्थानांतरण मानसिक चिकित्सालय में किया गया है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अस्पताल परिसरों की स्वच्छता, सुरक्षा और मरीजों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

विश्व साक्षरता दिवस के अवसर पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम

शासकीय विधि महाविद्यालय, नर्मदापुरम में विश्व साक्षरता दिवस के अवसर पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का विषय सामाजिक सशक्तीकरण के लिए साक्षरता एक उपकरण रखा गया।

कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कल्पना भारद्वाज के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।निबंध प्रतियोगिता का परिणाम प्रथम रेणुका एल एल बी द्वितीय वर्ष द्वितीय स्मिता बकोरिया एल एल बी प्रथम वर्ष तृतीय चेतन मालवीय एल एल बी प्रथम वर्ष प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए साक्षरता के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने साक्षरता को न केवल ज्ञान प्राप्ति का साधन, बल्कि समाज में समानता, अधिकारों की जागरूकता और आत्मनिर्भरता की कुंजी बताया। विद्यार्थियों ने निबंध प्रतियोगिता में समाज में जागरूकता और सशक्तिकरण का सबसे प्रभावी माध्यम निरूपित किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी ने कहा इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों में चिंतन, लेखन और अभिव्यक्ति की क्षमता को विकसित करती हैं प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल द्वारा श्रेष्ठ निबंधों का चयन किया गया तथा विजेताओं को आगामी समारोह में सम्मानित किया जाएगा।

कलेक्टर ने अमरकंटक स्थित अनुश्री होमस्टे का किया निरीक्षण

अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर /अमरकंटक। कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने आज अमरकंटक स्थित अनुश्री होमस्टे का निरीक्षण किया और पर्यटकों को होम स्टे में दी जाने वाली आवश्यक सुविधाओं के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किये। इस दौरान होमस्टे के संचालक ने बताया कि होमस्टे की औसतन आय एक लाख रुपए महीने है, जिस पर कलेक्टर ने उन्हें शुभकामनाएं दीं और कहा कि अमरकंटक में होमस्टे का बहुत स्कोप है। होमस्टे के संचालक ने बताया कि मुख्य नर्मदा मंदिर से होमस्टे की दूरी लगभग 5 किमी है। होमस्टे सभी प्रकार के पर्यटकों के लिए बनाया गया है, जो पर्यटक अमरकंटक में आते हैं, उन्हें यहां भक्तिमय और आनंदमय वातावरण मिलता है। पर्यटकों को किसी प्रकार की असुविधा ना हो और वे अच्छी यादें लेकर जाएं यही प्रयास रहता है। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक श्री मोती उर रहमान, जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद की सहायक नोडल अधिकारी श्रीमती मंजूषा शर्मा, पर्यटन प्रबंधक श्री अजय अग्रवाल और सामाजिक कार्यकर्ता श्री बीकेंद्र सिंह राजे आदि उपस्थित रहे।

होमस्टे योजना अंतर्गत आवेदन प्रस्तुत करने की अपील

मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड की होमस्टे योजना अंतर्गत पंजीयन करवाने हेतु अमरकंटक के सभी होमस्टे संचालकों से अपील की गई है। होमस्टे पंजीयन हेतु मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड की रजिस्ट्रेशन लिंक पर जाकर रजिस्ट्रेशन किया जा सकता है।

सरवारी मराठा टोला में बाबा साहब अंबेडकर स्थल पर अतिक्रमण!

कैलाश कुमार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

शहडोल/सरवारी - ग्रामीणों ने उठाई आवाज ङ्क शासन करे कार्रवाई, लौटाई जाए 2.5 एकड़ शासकीय भूमि ग्राम पंचायत सरवरी मराठा टोला में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर स्थल की 2.5 एकड़ शासकीय भूमि पर अतिक्रमण का मामला तूल पकड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत ने वर्ष 2014-15 में इस भूमि को अंबेडकर स्थल के लिए अनुमोदित कराया था, लेकिन आज 70त्न भूमि पर कुछ लोगों ने कब्जा कर लिया है।

नामांतरण नहीं, फिर भी बाउंड्री निर्माण!

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सरपंच व सचिव द्वारा बिना नामांतरण, बिना स्वीकृत नक्शा और एस्टीमेट के ही सरकारी राशि से बाउंड्री वॉल बनवाई जा रही है। ईंट, गिट्टी, रेत और सीमेंट की खरीदी में पारदर्शिता नहीं बरती जा रही और सरकारी खजाने को बंदरबांट की तरह खर्च किया जा रहा है।

70% जमीन पर जबरन कब्जा

स्थानीय लोगों का आरोप है कि रुद्दू पिता लक्षु अहिरवार, रामसुफल पिता भोला उर्फ गोगा और भैया लाल बैगा ने उक्त भूमि के बड़े हिस्से पर जबरन कब्जा कर लिया है। ग्रामीण बताते हैं कि—

> बाबा साहब के नाम से आवंटित भूमि पर कब्जा किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह स्थल हमारी आस्था और सम्मान से जुड़ा है।

शिकायतें हुईं, कार्रवाई नहीं

इस मामले की शिकायत जून 2021 में तहसीलदार जैसीनगर, एसडीएम जैसीनगर और कलेक्टर शहडोल से की गई थी। इसके बाद 23 जून 2025 को भीम आर्मी संगठन ने भी ज्ञापन सौंपकर अतिक्रमण हटाने की मांग की थी, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

ग्रामीणों की मांग

ग्रामवासियों ने सामूहिक रूप से अपील की है कि —

शासकीय भूमि का नामांतरण कर सीमांकन कराया जाए।

अतिक्रमण तत्काल हटाया जाए।

बाउंड्रीवॉल का निर्माण सही नक्शे और प्रक्रिया के तहत कराया जाए।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि शासन-प्रशासन ने शीघ्र कदम नहीं उठाए तो वे बड़े आंदोलन की राह पर चलने को मजबूर होंगे।

थाना कोतवाली अनूपपुर पुलिस द्वारा चोरी गये घरेलू सामाग्री व सोने चांदी के आभूषण बरामद कर न्यायालय आदेश पर रिपोर्टकर्ता को किया गया सुपुर्द

अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर। बुधवार की शाम थाना कोतवाली अनूपपुर पुलिस द्वारा माननीय न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेटअनूपपुर से आदेश प्राप्त होने पर चोरी हुई घरेलू सामाग्री व सोने चांदी के आभूषण को फरियादी गुनानिधी मेहरे पिता मोतीराम मेहरे उम्र 33 साल निवासी रेल्वे कालोनी अनूपपुर को वापस सौंपी गई। उल्लेखनीय है कि दिनांक 11.07.25 को गुनानिधी मेहरे पिता मोतीराम मेहरे उम्र 33 साल निवासी रेल्वे कालोनी अनूपपुर के द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि रेल्वे कालोनी अनूपपुर के सरकारी क्वार्टर में रहता हूं। जो दिनांक 04.07.25 को परिवार के साथ उड़ीसा गया हुआ था दिनांक 10.07.2025 को वापस आने पर देखा तो घर का ताला तोड़कर घर में रखी टी.वी. लैपटाप, होथ थियेटर, गद्दा, कपड़े, सोने चांदी के जेवर चोरी कर लिया गया है। उक्त रिपोर्ट पर थाना कोतवाली अनूपपुर में अपराध क्रमांक 348/25 धारा 331(4),305 (ए) पंजीबद्ध किया जाकर पता साजी की गई टी.आई. कोतवाली निरीक्षक अरविन्द जैन के नेतृत्व में उपनिरीक्षक प्रवीण कुमार साहू, सहायक गोविन्द पनिका, प्रधान आरक्षक शेख रसीद, राजेश कंवर, आरक्षक प्रकाश तिवारी, अब्दुल कलीम के द्वारा

घटनास्थल के आस पास छानबीन की जाकर चोरी गई घरेलू सामाग्री कपड़े, डिनर सेट बर्तन, मिक्सर, होम थियेटर, बूफर, लैपटाप, एल.ई.डी. टी.वी. सोने चांदी के आभूषण आरोपी विवेक यादब, प्रीतम कहार तथा अपचारी बालक से जप्त की जाकर आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया व विधिविरुद्ध बालक को सम्प्रेक्षण गृह भेजा गया है। फरियादी गुनानिधी मेहरे द्वारा कोतवाली पुलिस अनूपपुर द्वारा तत्परता पूर्वक चोरी गए सामान को बरामद कर वापस दिलाये जाने हेतु पुलिस का आभार व्यक्त किया है।

शिक्षक दिवस बड़े उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम। शासकीय विधि महाविद्यालय नर्मदापुरम में शिक्षक दिवस बड़े उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की पूजा-अर्चना से हुई। तत्पश्चात महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कल्पना भारद्वाज, विभागाध्यक्ष श्री शिवाकांत मौर्य एवं समस्त प्राध्यापकों द्वारा भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं महान दार्शनिक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन तथा भारतीय संविधान के शिल्पी डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों का तिलक कर उनका सम्मान किया एवं उपहार भेंट किए। छात्रों ने विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर समारोह की शोभा बढ़ाई तथा अपने विचार व्यक्त करते हुए शिक्षकों के मार्गदर्शन और योगदान के महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम को और अधिक रोचक बनाने हेतु शिक्षकों के मध्य मनोरंजक खेलों का भी आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे आयोजन में उत्साहपूर्ण और सौहार्द्र का वातावरण रहा।

उदयपुरा में आदि कर्मयोगी अभियान के तहत 12 और 13 सितंबर को होगी ब्लॉक प्रोसेस लेब प्रशिक्षण कार्यशाला

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

उदयपुरा। जनजातीय कार्य मंत्रालय एवं जिला प्रशासन रायसेन के संयुक्त तत्वावधान में आदि कर्मयोगी अभियान- रेस्पॉन्सिव गवर्नेंस प्रोग्राम अंतर्गत ब्लॉक प्रोसेस लेब प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन 12 और 13 सितंबर को किया जाएगा।

इस कार्यशाला में ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत सरकारी सेवकों को यह प्रशिक्षण दिया जाएगा जिसमें सभी विभाग सम्मिलित हैं। जिसमें जल, स्वच्छता, ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा और वन जैसे विभागों के अधिकारी शामिल होंगे। जनजातीय गांवों में समुदाय संचालित विकास सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय मार्गदर्शन, समन्वय और निगरानी प्रदान करके विजन निर्माण के मार्गदर्शन और पर्यवेक्षक में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। यह कार्यशाला जनपद पंचायत सभागार, उदयपुरा, जिला रायसेन (म.प्र.) में आयोजित होगी। कार्यक्रम का उद्देश्य जनजातीय विकास और परिवर्तन के लिए व्यक्तियों एवं संस्थाओं को सशक्त बनाना है। ब्लॉक मास्टर ट्रेनर के तौर पर श्री महेंद्र सिंह धाकड़ बीएमओ उदयपुरा, श्री बैजनाथ इमने अधीक्षक जनजातीय विभाग, श्री अमन चौरसिया एडीओ ग्रामीण विकास, श्री राकेश अवस्थी बीपीओ जनपद पंचायत उदयपुरा, श्री शिरोमणि मीना रेंजर वन विभाग दो दिवसीय इस कार्यशाला में प्रशासनिक प्रक्रियाओं की पारदर्शिता, जिम्मेदार शासन व्यवस्था और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष चर्चा की जाएगी।

नल-जल योजना के गड्ढे बने परेशानी का सबब, बारिश से बिगड़ी स्थिति

आने जाने वाले वाहन के पहिए गड्ढों में धंस जाते

अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर /अमरकंटक। मां नर्मदा जी की उद्गम स्थली / पवित्र नगरी अमरकंटक के माई बगिया रोड पर नल-जल योजना के तहत बिछाई जा रही पाइपलाइन के लिए जगह-जगह गड्ढे , नालीया जैसे खोदे गए जगह में गीली मिट्टी हैं । इन गड्ढों को समय पर भरवाया नहीं गया तो राहगीरों और वाहन चालकों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है वर्षा (बारिश) के चलते हालात और भी दयनीय हो गए हैं । गड्ढों में पानी भर जाने से दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ गई है । विशेषकर स्कूल जाने-आने वाले बच्चे , बुजुर्ग , तीर्थ यात्रियों और दोपहिया वाहन चालकों को कीचड़ और फिसलन से बचते हुए कठिनाई से गुजरना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि इन गड्ढों के कारण यातायात बाधित हो रहा है और अक्सर जाम की स्थिति भी बन जाती है । साथ ही कीचड़ और पानी में संक्रामक बीमारियों के फैलने का भी खतरा उत्पन्न हो गया है।

लोगो के घर में लगे नल टूट रहे: लोगो के घरों में लगे नगर परिषद के नल जो जल कि सप्लाई घरों में किया जाता है वह भी इस योजना के कार्यों से बाधित हो रहे । घरों में लगे नल टूट रहे जिससे काफी ज्यादा परेशानियां बढ़ रही है। नगरवासियों ने संबंधित विभाग से अनुरोध किया है कि जल्द से जल्द गड्ढों को भरवाकर सड़क की मरम्मत की जाए ताकि यातायात सुचारु रूप से संचालित हो सके और लोगों को राहत मिल सके।

उदयपुरा में भागवत कथा के चौथे दिन धूमधाम से मनाया गया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव।

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

उदयपुरा। वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी स्व. श्री रामदयाल साहू की पुण्य स्मृति में साहू परिवार द्वारा आयोजित सात दिवसीय भागवत कथा के चौथे दिन भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। व्यासपीठ से कथावाचक पं. कैलाश शास्त्री ने श्रीकृष्ण जन्म कथा का भावपूर्ण वर्णन करते हुए बताया कि कंस के अत्याचार और अधर्म का अंत करने तथा धर्म और न्याय की स्थापना के लिए भगवान विष्णु ने भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी की मध्यरात्रि में श्रीकृष्ण के रूप में अवतार लिया। जैसे ही कथा में श्रीकृष्ण जन्म का प्रसंग आया, कथा पंडाल जय कन्हैया लाल की के उद्घोष से गूंज उठा। मंच पर वासुदेव द्वारा बालकृष्ण को लाए जाने का दृश्य प्रस्तुत किया गया, जिस पर श्रद्धालु झूम उठे। भक्तों ने पुष्पवर्षा कर बालकृष्ण का अभिनंदन किया और दधि-माखन लुटाकर जन्मोत्सव की खुशियां साझा कीं। कथा के दौरान महिला श्रद्धालु धार्मिक भजनों पर झूमते और नृत्य करते नजर आए। इस अवसर पर नगर सहित आसपास के ग्रामीण अंचल से बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की दिव्य बेला का आनंद लिया।

नगर उदयपुरा में गणेश विसर्जन के दौरान रॉयल फिटनेस क्लब के कार्यकर्ताओं ने दिखाया जौहर

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

उदयपुरा। गणेश उत्सव के पावन अवसर पर नगर में धूमधाम से गणेश विसर्जन यात्रा निकाली गई। इस दौरान जगह-जगह श्रद्धालुओं ने गणपति बप्पा के दर्शन किए और उत्साह के साथ शोभायात्रा में शामिल हुए। विशेष आकर्षण का केंद्र रहा रॉयल फिटनेस क्लब। क्लब के कार्यकर्ताओं ने विसर्जन यात्रा के दौरान अपने साहसिक और आकर्षक प्रदर्शन से नगरवासियों का दिल जीत लिया। युवाओं ने करतब, जिमनास्टिक और शक्ति प्रदर्शन कर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। नगरवासियों ने कार्यकर्ताओं का ताली बजाकर उत्साहवर्धन किया और कहा कि ऐसे आयोजन न केवल धार्मिक भावनाओं को जोड़ते हैं, बल्कि युवाओं में ऊर्जा और फिटनेस के प्रति जागरूकता भी बढ़ाते हैं। विसर्जन यात्रा के अंत में गणपति बप्पा को जयकारों के साथ विदाई दी गई—गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ।

म.प्र. में स्वास्थ्य तंत्र का अमानवीय चेहरा-चूहों ने काटीं उंगलियाँ, सिस्टम ने काटी उम्मीद—एक दर्दनाक हकीकत

इंदौर में हाल ही में घटी घटना ने पूरे प्रदेश को हिला दिया। नवजात शिशु की मौत और उसके बाद हुई अमानवीय परिस्थितियों ने अस्पतालों की असलियत उजागर कर दी। पिता अपनी बेटी का हाल जानने के लिए अस्पताल के चक्कर काटता रहा, मगर प्रशासन ने उसे लावारिस बता दिया। अंततः जब अंतिम संस्कार की तैयारी हुई, तब जाकर यह कड़वी सच्चाई सामने आई कि जिस बच्ची की तीन उंगलियाँ चूहों ने कुतर डालीं और जिसे संक्रमण ने निगल लिया, उसका इलाज समय रहते नहीं हो सका।

गंभीर चिंतन का विषय है—यह केवल एक परिवार की त्रासदी नहीं, बल्कि हमारी पूरी स्वास्थ्य व्यवस्था का अमानवीय और खोखला चेहरा है। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि जिस निजी कंपनी एजाइल सिक्योरिटी के जिम्मे अस्पताल में पेस्ट कंट्रोल था, उस पर मात्र एक लाख का जुर्माना लगाकर मामला निपटा दिया गया। न तो उसका एमओयू रद्द किया गया और न ही कोई ठोस कार्यवाही हुई। इसके विपरीत छोटे कर्मचारियों पर तुरंत कार्रवाई कर ली गई, जबकि एजेंसी को बचाया गया। इतना ही नहीं, विभागीय डीन और सुपरिटेंडेंट जैसे उच्च अधिकारी इस गंभीर परिस्थिति में छुट्टी लेकर गायब हो गए और अस्पताल प्रबंधन ने उनकी लंबी छुट्टी को भी स्वीकृति दे दी। यह रवैया साफ़ दिखाता है कि जिम्मेदारियों से बचने के लिए किस तरह तंत्र के शीर्ष स्तर पर भी लापरवाही और असंवेदनशीलता व्याप्त है।

मध्यप्रदेश के अस्पताल आज भी केवल इमारतें बनकर रह गए हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दवाओं, डॉक्टरों और उपकरणों की कमी से जूझ रहे

लेखिका- कु.प्रियंका जाटव
(पीएचडी शोधार्थी, सामाजिक कार्यकर्ता विचारक व चिंतक)

हैं। जिला अस्पतालों में पारदर्शिता नाम की कोई चीज़ नहीं बची है। परिजनों को सही जानकारी नहीं दी जाती, रिपोर्ट्स छुपाई जाती हैं और ग़लतियों को ढकने के लिए मृतकों को लावारिस करार दे दिया जाता है। और सबसे बड़ी पीड़ा यह है कि आज भी अनेक शासकीय अस्पतालों में नर्सिंग स्टाफ का व्यवहार बेहद कठोर और गाली-गलौज से भरा होता है। जिस मरीज और उसके परिजन पहले से ही बीमारी और चिंता में टूटे होते हैं, उन्हें दिलासा देने के बजाय डांटना-फटकारना रोज़ की आदत बन चुकी है। स्वास्थ्य सेवा का मूल तत्व केवल दवा और इंजेक्शन नहीं है, बल्कि मानवीय संवेदनाएँ और सहानुभूति हैं। हर नर्स और डॉक्टर को यह समझना चाहिए कि मरीज और उसका परिवार अस्पताल में सहारा ढूँढ़ने आता है, न कि अपमानित होने। इसलिए अनिवार्य है कि स्टाफ को मानवीय संवेदनात्मक व्यवहार और भाषाशैली का विशेष प्रशिक्षण दिया जाए। अस्पतालों में सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। साफ-सफाई के अभाव में अस्पतालों में चूहे और अन्य गंदगी जानवर पनपते हैं, जो संक्रमण और बीमारी का बड़ा कारण बनते हैं। यह बेहद शर्मनाक है कि जिस जगह जीवन बचाने की उम्मीद लेकर लोग आते हैं, वहीं गंदगी और चूहों के कारण उनकी जान पर संकट मंडराता है। अस्पतालों में सफाई को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए और इसके लिए अलग से जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। जरूरी है कि...हर स्वास्थ्य केंद्र पर आपातकालीन सुविधा चौबीसों घंटे उपलब्ध हो, नवजात शिशु यूनिट तथा महिला स्वास्थ्य यूनिट और आईसीयू अनिवार्य हों। प्रत्येक मरीज के इलाज की स्पष्ट जवाबदेही तय हो, ताकि किसी भी लापरवाही का दोषी बच न सके। अस्पतालों की स्वतंत्र निगरानी व्यवस्था बने और डॉक्टरों-नर्सों को मानवीय व्यवहार का प्रशिक्षण दिया जाए।

आज आवश्यकता केवल भवन खड़े करने की नहीं, बल्कि संवेदनशील, स्वच्छ और जवाबदेह स्वास्थ्य तंत्र बनाने की है। यदि इस घटना जैसी त्रासदियाँ भी हमें नहीं झकझोरतीं, तो कल हर घर इसी तरह के दर्द का शिकार हो सकता है। अस्पतालों को मौत की प्रयोगशाला नहीं, बल्कि जीवन रक्षा का सच्चा मंदिर बनाना ही असली सुधार होगा।

मध्यप्रदेश सरकार को इस ओर विशेष ध्यान देना चाहिए, ताकि स्वास्थ्य सेवाएँ बेहतर, सफाई युक्त और मानवीय पैमानों पर खरी उतरने वाली हो सकें, तथा ऐसे मामलों को पूर्ण गंभीरता से लेते हुए दंडात्मक कार्यवाही करनी चाहिए ताकि इस तरह की अमानवीय घटनाओं की पुनरावृति ना हो।

इन सबके अतिरिक्त यह भी आवश्यक है कि हम सब भी अपनी जिम्मेदारियाँ तय करें। मानवीयता के नाते यह हमारा भी कर्तव्य है कि अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्रों में साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दें। हम स्वयं गंदगी न करें और न ही इसका हिस्सा बनें, बल्कि यदि कहीं लापरवाही या गंदगी दिखे तो उसे लिखित रूप में तुरंत अस्पताल के उच्च अधिकारियों तक पहुँचाएँ। इस तरह की जागरूकता से कई घटनाओं को रोका जा सकता है।

हर व्यक्ति यदि अपने नैतिक मूल्य और कर्तव्यों को समझे, स्वतः संज्ञान ले और जागरूकता दिखाए, तो परिस्थितियों में बड़ा सुधार संभव है। साथ ही, यह हर स्वास्थ्य केंद्र के स्टाफ का भी मानवीय फर्ज होना चाहिए कि वे मरीजों—खासतौर पर ग्रामीण अंचलों से आने वाले असहाय परिजनों—को सही और पूरी जानकारी दें, क्योंकि जानकारी के अभाव में वे सबसे ज्यादा पीड़ा और असुरक्षा का शिकार होते हैं। आज आवश्यकता केवल इमारतें खड़ी करने की नहीं, बल्कि संवेदनशीलता और जवाबदेही से भरे जीवंत अस्पताल बनाने की है...आज आवश्यकता केवल दवा और इलाज भर की नहीं, बल्कि मानवीयता और सहानुभूति को स्वास्थ्य व्यवस्था की नींव बनाने की है। अतः जागरूक बने निडर साहासी बने और नैतिक मूल्यों को समझें गलत के खिलाफ अनुशासनात्मक संवैधानिक रूप से अवाज उठाना ही वक्त की मांग है।

अलुमिनाई मीट में गूँजी पुरानी यादें - दंतेश्वरी महिला महाविद्यालय में रजत जयंती का जश्न

भूतपूर्व छात्राओं ने साझा किए अपने संस्मरण

दीप्ति बाजपेयी

जगदलपुर। दंतेश्वरी महिला महाविद्यालय में छत्तीसगढ़ रजत जयंती वर्ष के अवसर पर एलुमिनाई मीट का भव्य आयोजन किया गया। यह आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजीव गुहे के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में तथा एलुमिनाई संघ प्रकोष्ठ की संयोजक बबिता दिवान के नेतृत्व में सफलता पूर्वक संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. योगेंद्र मोतीवाला, सहायक प्राध्यापक भुवनेश्वर कुमार, गुलाब साहू, ज्योति त्रिपाठी, अतिथि व्याख्याता शबाना बेगम, डॉ. बिंदु साहू, डॉ. प्रियंका शुक्ला, डॉ. पूनम सोनी तथा लाइब्रेरियन जयश्री मंडल देवनाथ उपस्थित रहे। इस अवसर पर महाविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ. रंजना नाथ ने सभा को संबोधित किया। तत्पश्चात महाविद्यालय की भूतपूर्व छात्राओं ने मंच पर आकर अपने संस्मरण साझा किए। इनमें सर्वप्रथम सहायक प्राध्यापिका बबिता दिवान ने अनुभव व्यक्त किया। उनके साथ ही बिंदु साहू, सरस्वती श्रीवास्तव, अनुषा जॉन, हाशमी खान, सुनीता पाढ़ी, निरूपा वर्मा, कुमारी आयुषि जायसवाल, रितिका पॉल, तनु गुप्ता, दक्षिता राठौर, यशोदा, सरस्वती, राधामनी पठारे, मीनाक्षी पाणिग्राही, दीप्ति बाजपेयी, डॉली सिंह, कविता जोशी, प्रीति पाढ़ी, ज्योत्सना सेना, एकेश्वरी बघेल सहित अन्य भूतपूर्व छात्राओं ने भी अपने संस्मरण प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भूतपूर्व एवं वर्तमान छात्राओं की उपस्थिति रही, जिन्होंने महाविद्यालय के गौरवशाली इतिहास को याद करते हुए इस आयोजन को अविस्मरणीय बना दिया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आड़ावाल में दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण और शिक्षा किट वितरित की

जगदलपुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गुरुवार को बस्तर प्रवास के दौरान ग्राम आड़ावाल पहुंचे, जहाँ उन्होंने समाज कल्याण विभाग एवं बीएमव्हीएसएस सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दिव्यांग पुनर्वास एवं सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम में शिरकत की। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर संपर्क फाउंडेशन द्वारा जिले में शुरू किए गए संपर्क स्मार्ट स्कूल कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा संस्था की शिक्षा क्षेत्र में नवाचार संबंधी कार्ययोजना की जानकारी ली। उन्होंने दिव्यांगजन देवा नाग, कु. कलावती मंडावी, सुशील कश्यप और भारत मंडावी से मुलाकात कर हालचाल जाना तथा 06 दिव्यांगजन को सांकेतिक रूप से ट्रायसिकल भी वितरित किए। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने संपर्क फाउंडेशन के 06 वॉलेंटियर्स को शिक्षा साथी किट प्रदान की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, वन मंत्री केदार कश्यप, बस्तर सांसद महेश कश्यप, जगदलपुर विधायक किरणदेव सिंह एवं मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव पेटलावद से प्रदेश की 1.26 करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों के खातों में करेंगे 1541 करोड़ से अधिक राशि का अंतरण

345 करोड़ रूपये लागत के विकास कार्यों का करेंगे भूमिपूजन एवं लोकार्पण

झाबुआ जिले के पेटलावद में 12 सितंबर को होगा राज्य स्तरीय कार्यक्रम

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 12 सितंबर शुक्रवार को राज्य स्तरीय कार्यक्रम में झाबुआ जिले के पेटलावद से मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजनान्तर्गत प्रदेश की 1.26 करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों के खाते में 28वीं किश्त के 1541 करोड़ से अधिक राशि का सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरण करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनान्तर्गत प्रदेश के 53.48 लाख से अधिक पेंशन हितग्राहियों के खातों में 320.89 करोड़ से अधिक राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के एलपीजी कनेक्शनधारी उपभोक्ता एवं गैर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना श्रेणी में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत पंजीकृत लाड़ली बहनों एवं विशेष पिछड़ी जनजाति की आर्थिक योजनान्तर्गत पंजीकृत 31 लाख से अधिक बहनों के खातों में 450 रूपये गैस रिफिल की 48 करोड़ से अधिक की राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण भी करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव राज्य स्तरीय कार्यक्रम में झाबुआ जिले के 345.34 करोड़ रूपये लागत के 72 से अधिक विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण करेंगे। जिसमें विभिन्न विभागों के 194.56 करोड़ रूपये के 35 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं 150.78 करोड़ रूपये लागत के 37 विकास कार्यों का लोकार्पण शामिल है।

'झाबुआ के संजीवक' पुस्तक का विमोचन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव जिला प्रशासन द्वारा तैयार जनजातीय आयुर्वेदिक परंपरा एवं चिकित्सा ज्ञान पर केंद्रित पुस्तक झाबुआ के संजीवक का विमोचन करेंगे। जिले में जड़ी बूटियों से उपचार का समृद्ध ज्ञान जनजातीय वर्ग में सदियों से विद्यमान है। जनजातीय संस्कृति एवं परंपरा के समृद्ध ज्ञान को विलुप्त होने से बचाने के लिए डुंगर बाबा नी जड़ी बूटियों नु जोवनार की जिला स्तरीय एवं विकासखंड स्तरीय कार्यशालाओं का आयोजन कर दस्तावेजीकरण कर पुस्तक के रूप में संकलित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बीपीएल परिवार के 11 दिव्यांग हितग्राहियों को चार पहिया पेट्रोल चलित मोटर साईकिल का वितरण भी करेंगे।

बस्तर दशहरा की भव्य तैयारी को लेकर आस्था सभा कक्ष में उच्चस्तरीय बैठक, सांसद- मंत्रियों समेत जनप्रतिनिधि रहे शामिल

जगदलपुर। विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा उत्सव की आवश्यक तैयारियों और व्यवस्थाओं को लेकर गुरुवार को जिला कार्यालय स्थित आस्था सभा कक्ष में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में दशहरा समिति के अध्यक्ष एवं सांसद महेश कश्यप, छत्तीसगढ़ शासन के वन मंत्री केदार कश्यप, विधायक किरण सिंह देव, बस्तर माटी पुजारी कमलचंद भंजदेव, ब्रेवरेज कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष श्रीनिवास राव मद्दी, चित्रकोट विधायक विनायक गोयल, दंतेवाड़ा विधायक चैतराम अटामी, जिला पंचायत अध्यक्ष वेदवती कश्यप, महापौर संजय पांडेय, कमिश्नर डोमन सिंह, आई.जी. सुंदरराज पी., बस्तर पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा सहित सातों जिलों के कलेक्टर और अनेक जनप्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में दशहरा पर्व की परंपरा, सुरक्षा, व्यवस्था और सांस्कृतिक गतिविधियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने सामूहिक समन्वय और बेहतर प्रबंधन के साथ बस्तर दशहरा को और भव्य बनाने का संकल्प लिया।

युवाओं के परिश्रम और पुरुषार्थ से भारत पुनः विश्वमंच पर सिरमौर बनेगा : उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार

भोपाल। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने कहा है कि विश्व भर में भारत एकमात्र ऐसा देश है, जहां हम राष्ट्र को मां की संज्ञा से संबोधित करते हैं। हमारे पूर्वजों ने समाज में सांस्कृतिक मूल्यों की अवधारणा स्थापित की है। प्रकृति, जल एवं सूर्य सहित समस्त ऊर्जा स्त्रोतों के संरक्षण के लिए उनके प्रति कृतज्ञता भाव के साथ, परंपरा स्थापित की है। कृतज्ञता का भाव, भारत की सभ्यता एवं विरासत है। श्री परमार ने कहा कि स्वंतत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 के विकसित भारत की संकल्पना में हम सभी की सहभागिता आवश्यक है। युवाओं के परिश्रम और पुरुषार्थ से भारत पुनः विश्वगुरु बनेगा और विश्वमंच पर हर क्षेत्र में सिरमौर होगा। उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत ऊर्जा एवं खाद्यान्न के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भी होगा और अन्य देशों की पूर्ति करने में सामर्थ्यवान भी होगा। श्री परमार ने कहा कि अपनी चिकित्सा पद्धति के माध्यम से हम स्वस्थ भारत की संकल्पना सिद्धि की ओर आगे बढ़ रहे हैं।

प्रदेश के 9300 हाई एवं हायर सेकण्डरी स्कूलों में 12 सितंबर को उमंग दिवस

भोपाल। उमंग है तो जिंदगी में रंग है इस थीम पर आधारित उमंग दिवस का आयोजन 12 सितम्बर को प्रदेश के 9 हजार 300 हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का लाभ 20 लाख से अधिक बच्चों को मिलेगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा निर्धारित 10 जीवन कौशलों से परिचित करवाना है। कार्यक्रम की मदद से बच्चे जीवन में आने वाले चुनौतियों का सामना मजबूती से कर सकेंगे। कार्यक्रम का एक और उद्देश्य है कि बच्चों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए तैयार किया जाये। यह कार्यक्रम स्कूल शिक्षा विभाग एवं संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) के सहयोग से तैयार किया गया है। जीवन कौशल शिक्षा आधारित करिकुलम और उसके संचालन में की गई पिछले 7 वर्षों की कड़ी मेहनत से बच्चों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव को उत्साह के रूप में मनाना है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड, तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। **संपादक :-** नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)